भोपाल में पहला सिटी म्यूजियम

चर्चा में क्यों?

हाल ही में सरकार ने **भोपाल में पहले शहरी संग्रहालय/सिटी म्यूज़ियम** की स्थापना को मंज़ूरी दे दी है। [मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड](#) **मोती महल के बाएँ विंग में भोपाल सिटी संग्रहालय** की स्थापना कर रहा है।

- **मोती महल शहर का एक महत्त्वपूर्ण विरासत स्थल और उच्च महत्त्व की इमारत है।**

मुख्य बिंदु:

- **11 दीर्घाओं** वाला प्रस्तावित संग्रहालय **भोपाल और मध्य प्रदेश के समृद्ध इतिहास** पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसमें मध्य प्रदेश के **ऐतिहासिक एवं भौगोलिक संदर्भ** तथा विशेष रूप से भोपाल के गठन को शामिल किया जाएगा।
- **प्रागैतिहासिक शैल चित्रों,** पत्थर के औजारों, पुरातात्त्विक खोजों, टिकटों, **भोपाल तथा आसपास के क्षेत्रों के राजाओं एवं रानियों की पोशाक, प्राचीन मूर्तियाँ, मंदिर के अवशेष** और भोपाल नवाब काल की **उत्कृष्ट कला** का संग्रह प्रदर्शित किया जाएगा।
    - सभी आयु समूहों हेतु एक आकर्षक और जानकारीपूर्ण अनुभव बनाने के लिये आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा।
- **मध्य प्रदेश सरकार का संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय** भोपाल के मोती महल के दाहिने हिस्से में **परमार राजा भोज,** उनके जीवन और कार्यों पर एक समर्पित तथा व्यापक संग्रहालय स्थापित करने की योजना बना रहा है।
- जनजातीय समुदाय की जीवनशैली को करीब से समझने तथा देखने के लिये भोपाल के जनजातीय संग्रहालय में प्रदेश की **सात प्रमुख जनजातियों [गोंड](#), [भील](#), [बैगा](#), [कोरकू](#), भारिया, [सहरिया](#) और कोल** के सात घर बनाए गए हैं।
    - इस पहल का मकसद **आदिवासी समाज से जुड़े मिथकों और मान्यताओं को खत्म करना है।**
- मध्य प्रदेश पर्यटन अनुभव को बढ़ाने के लिये प्रासंगिक विरासत और सांस्कृतिक स्थलों पर विभिन्न **थीम-आधारित संग्रहालय** स्थापित करने की योजना बना रहा है।

मोती महल

- मोती महल का निर्माण गढ़ मंडला के **गोंड राजा हृदय शाह ने वर्ष 1651 से 1667 के बीच** कराया था।
- महल **भूलभुलैया, गुप्त सुरंगों और भूमिगत मार्गों** से भरा है।
- वास्तुकला- **मुगल वास्तुकला।**

//

राजा भोज

- **परमार वंश (1018-1060)** में राजा भोज सबसे महान थे।
- उन्होंने **हदिू समाज को पुनर्जीवति** करने का प्रयास कयिा। उन्होंने मुसलमानों के खलिाफ भी लड़ाई लड़ी।
- वह एक महान योद्धा होने के साथ-साथ एक **नपुिण वदि्वान** भी थे।
- उन्होंने अपनी राजधानी में **भोजशाला नामक एक संस्कृत महावदि्यालय** का नरि्माण कराया।
- उनकी **प्रसदि्ध पुस्तकें** थीं:
    - आयुर्वेद संग्रह
    - युक्तकिल्पतरु
    - समरंगा सुथराधारा (वास्तुकला से संबंधति)।

- वह एक **महान नरि्माता** भी थे और माना जाता है कि उन्होंने **104 मंदरि** तथा एक खूबसूरत झील भी बनवाई थी जसि **भोजपुर झील** के नाम से जाना जाता है।
- **राजा भोज की मृत्यु के साथ परमार वंश की शक्त समािप्त हो गई।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/first-ever-city-museum-in-bhopal